www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–6 अंक–1 जनवरी –2025

इस अंक में...

- एनसीसी प्रशिक्षण P. 2
- सत्रहवीं द्विवार्षिक कार्यशाला P. 3
- अचार, पापड़ और मसाला बनाना P. 4
- मोटे अनाजआधारित मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पादों के विकास P. 5
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे जनवरी 2025 के प्रथम महीने के ई-न्यूज़लेटर में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की उल्लेखनीय यात्रा और उपलब्धियों को साझा करते हुए खुशी हो रही है। वर्ष 2024 (जनवरी से नवंबर) हमारे विश्वविद्यालय के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियों और अवसरों से भरा रहा। हमने कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं जैसे- ई-ऑफिस का सफल कार्यान्वयन, दीक्षारंभ, कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के छात्रों का 100% प्लेसमेंट, आवेदित और प्राप्त किए गए पेटेंटों की संख्या, प्राकृतिक खेती महाविद्यालय की स्थापना, फसल की किस्मों का विमोचन, IIRF रैंकिंग में सुधार (7वें स्थान पर) एवं विश्वविद्यालय पुस्तकालय में RFID तकनीक स्थापित करने जैसे कुछ ऐसे उदाहरण हैं जो कृषि शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमने दिसंबर 2024 में भी इस तारतम्य को जारी रखा और इसी क्रम में 3 दिसंबर को अपना 55वां स्थापना दिवस और कृषि शिक्षा दिवस मनाया।

इसी क्रम में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने अपना 42वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमे इंजीनियर अलोक कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक (कृषि अभियांत्रिकी), बिहार सरकार से हमारे छात्रों को उनकी प्रेरणादायक व्यावसयिक यात्रा का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त, हमने 17 दिसंबर को अपनी शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित की, जिसमें शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा की गई तथा शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए शैक्षणिक -संबंधी प्रस्तावों पर विचार विमर्श कर पारित किया गया।

विश्वविद्यालय ने कृषि मौसम विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की सत्रहवीं द्विवार्षिक कार्यशाला और AICRPAM-NICRA की बारहवीं वार्षिक समीक्षा बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसमे देश भर से कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया और कृषि मौसम विज्ञान संबंधी ज्ञान को सतत कृषि पद्धतियों में एकीकृत करने और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों से निपटने पर मूल्यवान सुझाव दिए।

मुझे यह बताते हुए विशेष रूप से गर्व हो रहा है कि हमारे विश्वविद्यालय ने दिसंबर-2024 के दौरान 3,945 किसानों, ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और प्रसार कार्यकर्ताओं को विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित किया। "जलवायु-आधारित वर्षभर मशरूम उत्पादन" विषय पर कृषि में नवाचार को बढ़ाते हुए मास्टर प्रशिक्षकों के लिए "उन्नत मशरूम खेती" पर 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय मशरूम दिवस 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें किंग ऑयस्टर और शिटेक मशरूम खेती की शुरूआत एवं चार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की सक्रिय भागीदारी ने हमारे उद्योग- शिक्षा जगत के सम्बन्धो को और भी मजबूत किया।

वर्ष 2024 की भांति 2025 में भी हमें कृषि नवाचार, शिक्षा और ग्रामीण विकास के प्रति अपना समर्पण जारी रखना होगा। मैं सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और हितधारकों को उनके निरंतर समर्थन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बधाई और धन्यवाद देता हूँ।

आपको आनंदमय दिसम्बर की हार्दिक शुभकामनाएं!

पुण्यव्रत

(पुण्यव्रत सविमलेन्दु पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 1 दिसंबर 2024 को एनसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के अंतिम वर्ष के छात्रों ने 1 दिसंबर 2024 को पटना के गांधी मैदान में आयोजित एग्रो-बिहार 2024 में अपने एक्सपोजर विजिट के तहत भाग लिया तथा कृषि पद्धतियों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न कृषि मशीनरी उपकरणों से अवगत हुए।

➢ **विश्वविद्यालय के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की** मध्यावधि परीक्षाएं दिनांक 02.12.24 से 12.12.24 तक सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।

➢ **डॉ. आई.बी. पाण्डेय , डॉ. आर.एस. सिंह और डॉ. राजीव कुमार श्रीवास्तव द्वारा कृषि विज्ञान में** स्नातक (बी.एससी. कृषि) के पाठ्यक्रम कृषि आधारित आजीविका प्रणाली (एएजी-112) के अंतर्गत 18 दिसंबर, 2024 को आईएफएस यूनिट, पूसा फार्म का एक्सपोजर विजिट-सह-प्रैक्टिकल क्लास सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

➢ **27 दिसंबर, 2024 को विवेकानंद जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताओं सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।** 28 दिसंबर, 2024 को "विकसित भारत के लिए कृषि में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सीमाएँ" विषय पर एक और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता के लिए नामांकित करना और 17वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस में आगे का चयन करना था।

➢ **सूचना साक्षरता अभियान के रूप में, विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को CeRA ई-बुक्स/ई-जर्नल्स और डेटाबेस सहित विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब्ड लर्निंग रिसोर्स के बारे में शिक्षित करने के लिए**

"लाइब्रेरी कनेक्ट प्रोग्राम" के तहत 27-12-2024 को एक कार्यशाला आयोजित किया जिसमे स्नातक और स्नातकोत्तर के कुल 57 छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया और लाभान्वित हुए। उन्होंने थीसिस लेखन, स्मार्ट साहित्यिक खोज, समीक्षा एवं मूल्याङ्कन के विभिन्न आयामों को पूरा करने वाली ऐसी और कार्यशालाओं के लिए आग्रह किया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने कृषि मौसम विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना और जलवायु अनुकूल कृषि में राष्ट्रीय नवाचार के वार्षिक समीक्षा बैठक की द्विवार्षिक कार्यशाला का आयोजन किया।**

कृषि मौसम विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की सत्रहवीं द्विवार्षिक कार्यशाला और जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) की वार्षिक समीक्षा बैठक (एआरएम) 11-14 दिसंबर 2024 के दौरान रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में 29 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और केंद्र सरकार के संस्थानों के कृषि मौसम विज्ञानियों ने भाग लिया और विचार-विमर्श किया।

डॉ. पी.एस. पांडेय, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. एस.के. चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), भा.कृ.अनु.प. , नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. वी.के. सिंह , निदेशक, भा.कृ.अनु.प. -केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद और डॉ. अनूप दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना, पटना ने मुख्य अतिथि के रूप में मंच साझा किया। डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया, जबकि डॉ. शांतनु कुमार बल, परियोजना समन्वयक, कृषि मौसम विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोज, भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में परियोजना के महत्व और योगदान के बारे में एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया।

कार्यशाला में कृषि के अलावा पशुधन और मत्स्य पालन क्षेत्रों से जुड़े कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी शोधों पर अधिक ध्यान देने पर जोर दिया गया। मौसम की प्रतिकूल घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभाव पर शोध को प्राथमिकता देने और फसल उत्पादन पर जलवायु जोखिमों के प्रबंधन के लिए किसानों को मौसम पूर्वानुमान आधारित सलाह अधिक सुलभ बनाने हेतू अनुशंसा किया गया।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **बिहार सरकार के चौथे कृषि रोड मैप के तहत विशेष प्रयोजन हेतु विश्वविद्यालय को प्राप्त कृषि ज्ञान वाहन के किसान-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम** के लाइव टेलीकास्ट सवाल जवाब द्वारा कृषि ज्ञान किसानों तक पहुंचाने में कृषि ज्ञान वाहन अहम भूमिका निभा रहा है। वाहन में स्थापित इंटरनेट सुविधाओं का उपयोग करके

"पशुधन के रोग प्रबंधन में प्रगति" कार्यक्रम सवाल जवाब पर किसान-वैज्ञानिक बातचीत को लाइव-स्ट्रीमिंग द्वारा हर महीने पहले और तीसरे शनिवार को प्रसारित कर लाभ पहुंचाया जा रहा है। दिसंबर 2024 के महीने में, कृषि ज्ञान वाहन समस्तीपुर जिले के सरायरंजन ब्लॉक के गोपालपुर गाँव में चलाया गया और किसानों को बातचीत कार्यक्रम की सुविधा के साथ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित कई प्रश्नों का समाधान किया गया। यह किसानों और वैज्ञानिकों को लाइव जोड़ने और किसानों के प्रमुख मुद्दों के समाधान हेतू अनुभवों को साझा करने के लिए एक बहुत ही समृद्ध इंटरफ़ेस कार्यक्रम था। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। न्यूट्री-स्मार्ट विलेज (NSV) परियोजना में अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना -कृषि में महिलाएं पहल के तहत किसानों को रबी फसलों और बीजों पर तकनीकी जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य जैविक खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना था, जिससे क्षेत्र में सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिल सके।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा** द्वारा ग्रामीण कौशल संवर्धन प्रशिक्षण संस्थान समस्तीपुर (RSETI) के सहयोग से समस्तीपुर, जिले की अट्ठाईस (28) कृषक महिलाओं के उद्यमिता विकास के लिए "अचार, पापड़ और मसाला बनाने" पर दस दिवसीय (16-26 दिसंबर, 2024) उन्नत व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि महिलाओं ने प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, विपणन, व्यावसायिक प्रथाओं और उद्यमिता विकास से संबंधित वित्तीय जागरूकता के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

➢ **अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा के "न्यूट्री-स्मार्ट ग्राम कार्यक्रम"** के अंतर्गत शिवहर जिले के कुशहर एवं कस्तूरिया गांव की चालीस (40) कृषक महिलाओं को मौसमी सब्जी के बीज एवं पौधे वितरित किए गए।

➢ **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन मिलेट एंड वैल्यू चेन प्रोजेक्ट (चौथा कृषि रोड मैप)** के अंतर्गत दिनांक 19 दिसंबर से 21 दिसंबर, 2025 तक " मोटे अनाजआधारित मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पादों के विकास" पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में विभिन्न मूल्य संवर्धित मोटे अनाजउत्पादों (माल्टेड रागी आटा, कदन्न अनारसा, कदन्न मिश्रण आदि) की तैयारी शामिल रही। शिवहर जिले से कुल 35 कृषक महिलाओं और किसानों ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 20.12.2024 को केन्द्र परिसर में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के लिए जैविक बीज उत्पादन सह जैविक सब्जियों की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।** इस आयोजन में 6 6 एफपीओ सदस्यों ने भाग लिया और अजोला, बकरी, मुर्गी पालन, मशरूम, सजावटी मछली, आईएफएस मॉडल, कृषि मशीनरी, बीज उत्पादन इकाई और रबी फसल कैफेटेरिया जैसी विभिन्न इकाइयों का परिभ्रमण किया।

इसके अलावा इस केन्द्र ने 28.12.2024 को भारतीपुर क्लस्टर में सीएफएलडी तिलहन कार्यक्रम के तहत सरसों की किस्म राजेंद्र सुफलाम पर एक क्षेत्र दिवस भी आयोजित किया। इस आयोजन में 41 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इसी तरह, 17.12.2024 को बोचहा ब्लॉक में केन्द्र द्वारा गोद लिए गए गांव करणपुर में बैंगन, गोभी और मिर्च में एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) पर क्षेत्र भ्रमण सह अभ्यासरत किसानों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, माधोपुर ने उच्च गुणवत्ता वाले स्पॉन के उत्पादन के लिए समर्पित एक मशरूम स्पॉन प्रयोगशाला स्थापित किया।** इस प्रयोगशाला ने पिछले 3 महीनों में लगभग 280 किलोग्राम मशरूम स्पॉन का उत्पादन कर 210 किलोग्राम स्थानीय किसानों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से वितरित किया। इन पहलों का उद्देश्य किसानों को मशरूम की खेती में आवश्यक कौशल से परिपूर्ण करना तथा पश्चिम चंपारण क्षेत्र में एक व्यवहार्य कृषि पद्धति के रूप में बढ़ावा देना था।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान ने दिसंबर 2024 में किचन गार्डनिंग और पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।** 2 दिसंबर को अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) परियोजना के तहत 30 एससी किसानों को न्यूट्री-गार्डन स्थापित करने और उनके पोषण संबंधी लाभों पर प्रशिक्षण दिया गया। 18 दिसंबर को नारी परियोजना के

तहत 50 प्रतिभागियों को घरेलू पोषण में सुधार के लिए किचन गार्डनिंग पर प्रशिक्षित किया गया। इस केंद्र ने दिसंबर, 2024 में सीवान के जिला कृषि कार्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय कृषि यंत्रीकरण मेला सह बागवानी उत्पाद प्रदर्शनी में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में विकसित जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों, मिलेट-आधारित नवाचारों और अन्य टिकाऊ कृषि प्रणालियों पर प्रकाश डाला।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, गोपालगंज ने 429 किसानों के लिए 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं,** जिनमें अनाज भंडारण, मूल्यवर्धित मिलेट उत्पाद, आलू में कीट और रोग प्रबंधन, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन और पोषक उद्यान जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, मशरूम की खेती और अनाज और बीजों के भंडारण और प्रबंधन पर 47 ग्रामीण युवाओं के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) परियोजना कार्यक्रम के तहत किसानों को मधुमक्खी के छत्ते और संबंधित उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। 90 किसानों के लिए कृषि चौपाल के पहले एपिसोड का सीधा प्रसारण भी किया गया। इसके अलावा, किसानों के खेतों में गेहूं की बुवाई के लिए मशीनों का ऑन-फार्म ट्रायल सफलतापूर्वक शुरू किया गया। जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत, विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए गए और विभिन्न तकनीकों के साथ फसलों के प्रदर्शन से संबंधित सभी लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किए गए।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

ई. आलोक कुमार सिंह

संयुक्त निदेशक (कृषि अभियांत्रिकी)

बिहार सरकार

7 दिसंबर, 2024 को हमारे विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एस.के. चौधरी

उप महानिदेशक (एनआरएम), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

11 दिसंबर 2024 को हमारे विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. वी. के. सिंह

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

11 दिसंबर, 2024 को हमारे विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. अनूप दास

निदेशक, भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर पूर्वी क्षेत्र, पटना

11 दिसंबर 2024 को हमारे विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ **दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।**

1. **डॉ स्मृति रेखा सरकार**
   प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा
2. **डॉ.सतीश कुमार केशरी,** एसटीओ (टी-6)
   कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा
3. **श्री मुखदेव यादव**
   निजी सहायक, कुलसचिव कोषांग, पूसा
4. **श्री विद्यापति चौधरी**
   एसटीए (टी-4), केवीके, बिरौली
5. **श्री दिनेश प्रसाद**
   सहायक, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, पूसा
6. **श्री रामबालक महतो**
   एसएसएस, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा
7. **श्री रामप्रवेश पासवान**
   एसएसएस, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
8. **श्री शिवचन्द्र राम**
   एसएसएस, कैटल फार्म, पूसा
9. **श्री किशुन पंडित**
   एसएसएस, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
डॉ. ए. के. गौतम

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in